





ध्यान साधना के बारे में कबीर के विचार



"बिनु ध्यान ज्ञान नहीं होय,
ज्ञान बिनु मोक्ष नहीं।
ध्यान बिनु कैसे कहें लूं,
ज्ञान देखो सोई।"

@lifechangerworld



